

CBSE OSM Evaluation Process 2026: जानिए कॉपी चेकिंग की पूरी प्रक्रिया, कैसे होता है छात्रों का मूल्यांकन

अगर आप CBSE बोर्ड परीक्षा 2026 में शामिल हुए हैं, तो आपने “CBSE OSM Evaluation Process” का नाम जरूर सुना होगा। हर साल लाखों छात्रों की उत्तर पुस्तिकाएं जांचने के लिए CBSE एक आधुनिक और पारदर्शी सिस्टम का इस्तेमाल करता है। इसी प्रक्रिया को OSM Evaluation Process कहा जाता है।

यह सिस्टम छात्रों के अंकों में पारदर्शिता बनाए रखने, गलतियों को कम करने और रिजल्ट को तेजी से जारी करने में मदद करता है। आज के समय में CBSE ने कॉपी जांचने की प्रक्रिया को पहले से कहीं ज्यादा डिजिटल और सुरक्षित बना दिया है।

CBSE OSM EVALUATION PROCESS

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
भारत
असतो मा सद्गमय

डिजिटल कॉपी चेकिंग
की पूरी प्रक्रिया
जानिए पूरी जानकारी!

स्कैनिंग → अपलोड → ऑन स्क्रीन मार्किंग → सुरक्षित और पारदर्शी प्रक्रिया

Central Board of Secondary Education
Committed to Equity and Excellence in Education

Home About CBSE Trends Circulars Results Contact Us

LATEST
OFFICIAL UPDATE

NEWS & UPDATES

- Examination Updates
- Circulars
- Results
- Sample Papers
- Admit Card

CBSE की Official Update
देखने के लिए यहाँ क्लिक करें

क्या है CBSE OSM Evaluation Process?

CBSE का OSM यानी “On Screen Marking” Evaluation Process एक डिजिटल कॉपी चेकिंग सिस्टम है। इसमें छात्रों की उत्तर पुस्तिकाओं को स्कैन करके ऑनलाइन माध्यम से शिक्षकों द्वारा जांचा जाता है।

पहले जहां उत्तर पुस्तिकाएं फिजिकल रूप से जांची जाती थीं, वहीं अब CBSE ने डिजिटल तकनीक का उपयोग शुरू कर दिया है। इससे कॉपी खोने, गलत नंबर जोड़ने और मूल्यांकन में पक्षपात जैसी समस्याओं को काफी हद तक खत्म किया गया है।

कैसे काम करता है CBSE OSM Evaluation Process?

CBSE की यह प्रक्रिया कई चरणों में पूरी होती है। नीचे आसान भाषा में पूरी प्रक्रिया समझिए:

1. उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैनिंग

बोर्ड परीक्षा खत्म होने के बाद छात्रों की कॉपियों को स्कैन किया जाता है। हर पेज को हाई क्वालिटी डिजिटल फॉर्मेट में बदला जाता है।

2. डिजिटल सर्वर पर अपलोड

स्कैन की गई कॉपियों को सुरक्षित सर्वर पर अपलोड किया जाता है ताकि केवल अधिकृत शिक्षक ही उन्हें देख सकें।

3. परीक्षकों को ऑनलाइन एक्सेस

CBSE द्वारा चयनित शिक्षक अपने लॉगिन आईडी के जरिए सिस्टम में प्रवेश करते हैं और ऑनलाइन कॉपी जांचते हैं।

4. ऑन स्क्रीन मार्किंग

शिक्षक स्क्रीन पर ही उत्तर पढ़कर अंक देते हैं। सिस्टम अपने आप कुल अंक जोड़ देता है, जिससे टोटलिंग में गलती की संभावना लगभग खत्म हो जाती है।

5. क्वालिटी चेक

CBSE समय-समय पर कॉपियों की दोबारा जांच भी कराता है ताकि मूल्यांकन सही तरीके से हो सके।

CBSE OSM Evaluation Process के फायदे

पारदर्शिता बढ़ती है

डिजिटल सिस्टम के कारण कॉपी जांचने की प्रक्रिया अधिक निष्पक्ष बनती है।

रिजल्ट जल्दी जारी होता है

ऑनलाइन मूल्यांकन होने से लाखों कॉपियों की जांच तेजी से पूरी हो जाती है।

गलतियां कम होती हैं

ऑटोमेटिक टोटलिंग के कारण नंबर जोड़ने में मानवीय त्रुटि नहीं होती।

कॉपी सुरक्षित रहती है

डिजिटल स्टोरेज की वजह से उत्तर पुस्तिकाएं खोने का खतरा बेहद कम हो जाता है।

The banner features the CBSE logo and the text 'CBSE OSM EVALUATION PROCESS'. It highlights the 'Digital Copy Checking' process with a flowchart: 'Scanning' (स्कैनिंग) -> 'Upload' (अपलोड) -> 'Online Marking' (ऑन स्क्रीन मार्किंग) -> 'Secure and Transparent Process' (सुरक्षित और पारदर्शी प्रक्रिया). A laptop displays the 'Central Board of Secondary Education' website with a 'LATEST OFFICIAL UPDATE' notification. A hand icon points to a red button that says 'Click here' (यहाँ क्लिक करें) to view the update. A bell icon indicates a notification.

छात्रों के लिए क्यों महत्वपूर्ण है यह प्रक्रिया?

CBSE का OSM Evaluation Process छात्रों के भविष्य से जुड़ा एक अहम हिस्सा है। इस सिस्टम की मदद से छात्रों को निष्पक्ष अंक मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

इसके अलावा, यदि किसी छात्र को अपने अंकों पर संदेह होता है तो बोर्ड के पास डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध रहता है, जिससे Verification या Rechecking प्रक्रिया आसान हो जाती है।

CBSE OSM Evaluation Process में सुरक्षा का विशेष ध्यान

CBSE इस पूरी प्रक्रिया में डेटा सुरक्षा पर खास ध्यान देता है। कॉपियों को एन्क्रिप्टेड सर्वर पर रखा जाता है और केवल अधिकृत परीक्षक ही उन्हें एक्सेस कर सकते हैं।

इससे छात्रों की जानकारी पूरी तरह सुरक्षित रहती है और किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ की संभावना कम हो जाती है।

CBSE OSM Evaluation Process 2026 से छात्रों को क्या फायदा मिलेगा?

CBSE लगातार अपनी परीक्षा प्रणाली को आधुनिक बना रहा है। OSM Evaluation Process 2026 के जरिए छात्रों को तेज, पारदर्शी और सटीक रिजल्ट मिलने में मदद मिलेगी।

यह प्रक्रिया न केवल समय बचाती है बल्कि छात्रों के विश्वास को भी मजबूत बनाती है। आने वाले वर्षों में CBSE इस डिजिटल सिस्टम को और अधिक बेहतर बना सकता है।

निष्कर्ष

CBSE OSM Evaluation Process आज के समय में बोर्ड परीक्षा मूल्यांकन का एक आधुनिक और भरोसेमंद तरीका बन चुका है। डिजिटल तकनीक की मदद से कॉपी जांचने की प्रक्रिया पहले से ज्यादा तेज, सुरक्षित और पारदर्शी हो गई है।

अगर आप CBSE बोर्ड परीक्षा 2026 का इंतजार कर रहे हैं, तो यह जानना आपके लिए जरूरी है कि आपका मूल्यांकन अब एक स्मार्ट डिजिटल सिस्टम के जरिए किया जाता है, जिससे सही और निष्पक्ष परिणाम मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

CBSE OSM



डिजिटल कॉपी चेकिंग
की पूरी प्रक्रिया

जानिए पूरी जानकारी!

EVALUATION PROCESS



स्कैनिंग



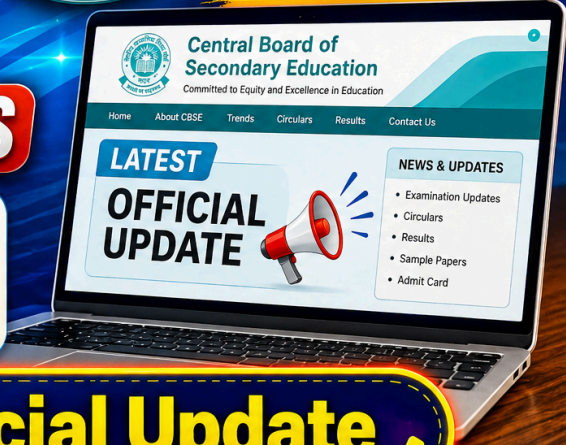
अपलोड



ऑन स्क्रीन
माकिंग



सुरक्षित और
पारदर्शी प्रक्रिया



CBSE की **Official Update**

देखने के लिए **यहाँ क्लिक करें**

